भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1021

गुरुवार, 27 जून, 2019/6 आषाढ़, 1941 (शक)

राजस्थान में राजमार्गों का निर्माण

1021. श्री हनुमान बैनिवालः

श्री राहुल कस्वां:

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्र सरकार द्वारा राजस्थान में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्य राजमार्गों पर स्वीकृत उपमार्ग या तो वित्तीय मंजूरी न मिलने के कारण या वित्तीय अभाव के कारण पूरे नहीं हो रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन्हें आरंभ करने की तिथि, पूरा करने की तिथि और इन कार्यों के रुक जाने की तिथि क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार का वित्तपोषण की कमी के कारण रुके अपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य को पुनः आरंभ करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) राजस्थान में गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा निर्माण के लिए तय किए जाने वाले राजमार्गों का ब्यौरा क्या है और उनकी लंबाई कितने किलोमीटर है; और

(ङ) इस प्रयोजनार्थ कितनी मात्रा में निधि आबंटित की गई है और अब तक इन पर कितना व्यय किया गया है तथा इस लक्ष्य को कब तक प्राप्त किए जाने की संभावना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख): सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अनुरक्षण के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय राजमार्ग की कोई भी ऐसी परियोजना नहीं है जो भारत सरकार की तरफ से या तो वित्तीय अनुमोदन या वित्तीय अभाव के कारण पूरी नहीं हुई है।

(ग): जी, नहीं। प्रश्न नहीं उठता।

(घ) और (ड.): पिछले तीन वर्षों के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्माण के लिए लक्षित राजमार्ग की लंबाई और वास्तविक निर्मित लंबाई के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	वर्ष	निर्माण के लिए लक्षित लंबाई	वास्तविक निर्मित लंबाई
1	2016-17	496	743
2	2017-18	473	653
3	2018-19	539	474
	जोड़	**1,508**	**1,870**

इस प्रकार, पिछले तीन वर्षों के लिए राजस्थान राज्य में निर्माण के लिए लक्षित लंबाई 1508 किमी थी। तथापि, वास्तविक निर्मित लंबाई 1870 किमी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा इस निर्माण के लिए लगभग 6042 करोड़ रु. की राशि व्यय की गई है।

*****